श्री नंदी येल्लैया: *

श्री सभापति: छुआछूत का कोई झगड़ा नहीं है। इस संबंध में आप बोलना चाहेंगे तो मैं आपको एलाऊ नहीं करुंगा और यह रिकॉड पर भी नहीं जाएगा। ...(**व्यवधान**)... यदि आप बिना मेरी अनुमति के बोलेंगे तो यह रिकॉर्ड पर नहीं जाएगा। आप बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)... अगर आप चाहते हैं कि हाफ एन ऑवर डिसकशन हो तो लिखकर दे दीजिए...(**व्यवधान**)... यह रिकार्ड पर नहीं जा रहा है ...(**व्यवधान**)... हाफ एन ऑवर डिसकशन चाहते हैं तो लिखकर दीजिए...(**व्यवधान**)... आप बैठ जाइए...(**व्यवधान**)...

श्री शाहिद सिद्दिकी: *

श्री सभापति:मैं कह रहा हूँ कि आप मुझे लिखकर दीजिए।

*523. [The questioner (Shrimati S. G Indira) was absent. For answer *vide* page 29].

Promotion of Urdu language in Bihar

*524. SHRI MOTIUR RAHMAN: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Urdu is second language in Bihar;

(b) if so, what steps are being taken to promote Urdu in the State;

(c) whether Government are aware that examination papers of different State level examinations are not made available in Urdu; and

(d) if so, the steps being taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MD. ALI ASHRAF FATMI): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) Yes, Sir.

(b) According to the Government of Bihar the following steps have been taken by the State to promote the Urdu language:

(i) A separate Urdu Directorate has been constituted under the Department of Raj Bhasha by the Government of Bihar.

---

*Not recorded.

(ii) An Urdu Advisory Committee has been constituted to advise the State Government regarding development and extension of the second Raj Bhasha, Urdu,

(Hi) An Urdu Magazine "Urdu Patrika Sangam" is published by the State Government,

(iv) Seminars and Conferences are organized on Urdu Diwas every year for promotion of the Urdu lanugage,

(v) Steps have been taken to translate Government Rules & Regulations in Urdu,

(vi) Applications in Urdu are entertained in Government Offices,

(vii) The State Government honours Urdu Scholars, Journalist and others under the'Urdu PuraskarYojana',

(viii) Urdu Translators and Typists have been appointed by the Government in Field Offices all over the State,

(ix) Students of class X and XII in Bihar have the option to write the answers in their examinations in Hindi, English and Urdu.

Apart from the steps taken by the Government of Bihar to promote the Urdu lanugage, the Central Government also promotes the Urdu language under various Centrally sponsored schemes and through the National Council for Promotion of the Urdu Language (NCPUL) an autonomous organization supported by the Central Government. Under the Central scheme for appointment of Language teachers, Central assistance is provided for appointment of Urdu teachers in primary and upper primary schools in educationally backward minority blocks. During the year 2004-05, an amount of Rs. 43.20 lakhs have been released to the Government of Bihar for appointment of 360 Urdu teachers.

(c) and (d) Yes, Sir.

All the question papers are set in Hindi and English. However, the students have the option to write their answers in Urdu. The replies submitted in Urdu are checked by subject specialists with the help of Urdu experts.

श्री मोतिउर रहमान: सभापति जी,मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि जिस वक्त बिहार में उर्दू को सैकिण्ड लैंग्वेज बनाया गया,उस वक्त यह नोटिफिकेशन हुआ था कि एफ.आई.आर.

भी उर्दू में होगी और सभी विभागों में आवेदन-पत्र और दरख्वास्तें भी उर्दू में ली जाएंगी, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि अभी तक इस पर कार्यान्वयन नहीं हो रहा है। क्या मंत्री जी यह बतलाने की कोशिश करेंगे कि जो नोटिफिकेशन हुआ था,उसके मुताबिक कब तक कार्रवाई करवा देंगे?

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: सभापति जी,यह स्टेट का मामला है,यह बिहार स्टेट के बारे में सवाल है। माननीय सांसद ने पूछा है कि बिहार में उर्दू के लिए जो वादे किए गए थे,वे इम्पिलमेंट हो रहे हैं या नहीं हो रहे हैं, मैं इसकी जानकारी लेकर माननीय सांसद को उपलब्ध करवा दूंगा।

श्री सभापति:बिहार में तो प्रेजीडेंट रुल लगा हुआ है।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: प्रेजीडेंट रुल लगा हुआ है,लेकिन वहां पर दरख्वास्तें ली जा रही हैं।

श्री सभापति:आप इस कारण से अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते हैं कि वह स्टेट का मामला है,लेकिन प्रेजीडेंट रुल लगा है।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: सभापति जी,मैं यह जानकारी इनको देना चाहता हूँ कि वहां पर थाने में दरख्वास्तें ली जाती है,जहां पदाधिकारी हैं, वहां भी हर जगह ली जाती हैं।

श्री सभापति:मैं इस क्वेश्चन को पोस्टपोन करता हूँ।

† **श्री शाहिद सिद्दिकी**: सभापति जी, नहीं ...(**व्यवधान**)...

شری شاہد صدیقی: سبھاپتی جی، نہیں -...مداخلت...

श्री मोतिउर रहमान: सभापति जी,मुझे एक और क्वेश्चन पूछना है ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति:एक ही पूछना है? ...(**व्यवधान**)...

†**श्री शाहिद सिद्दिकी**: सर,इससे जुड़ा हुआ केन्द्र का मामला है ...(**व्यवधान**)...

شری شاہد صدیقی: سر، اس سے جڑا ہوا کیندر کا معاملہ ہے ...مداخلت...

श्री मोतिउर रहमान:एक ही पूछना है ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: एक ही पूछना है तो मैं अलाऊ कर दूंगा ...(**व्यवधान**)...

† **श्री शाहिद सिद्दिकी**: बच्चे सफर करते हैं सर ...(**व्यवधान**)...

شری شاہد صدیقی: بچے سفر کرتے ہیں، ...مداخلت...

† Transliteration of Urdu Script.

श्री सभापति:उनको तो पूछ लेने दीजिए, बैठिए। देखिए मैं क्वेश्चन इसलिए पोस्टपोन नहीं कर रहा हूँ कि ये आए नहीं हैं, बल्कि इसलिए कर रहा हूँ क्योंकि इन्हें बिहार गवर्नमेंट से जो जानकारी चाहिए,वे वह जानकारी ले लें और फिर क्वेश्चन का जवाब दें ...(**व्यवधान**)...

†**श्री शाहिद सिद्दिकी**: सर,सवाल पूछना है ...(**व्यवधान**)....

شری شاہد صدیقی: سر، سوال پوچھنا ہے...مداخلت...

श्री सभापति:बस,अब आप बैठ जाइए ...(**व्यवधान**)... मैंने खुद ही कह दिया है ...(**व्यवधान**)...

† **शाहिद सिद्दिकी**:सर, बिहार के बच्चे सफर करते हैं ...(**व्यवधान**)...

شری شاہد صدیقی: سر، بہار کے بچے سفر کرتے ہیں....مداخلت...

श्री सभापति:बोलने दीजिए...(**व्यवधान**)... आप पूछिए।

श्री मोतिउर रहमान: सभापति जी,मैं यह जानना चाहता हूँ कि केन्द्र की सरकार बिहार में है, लेकिन क्या माननीय मंत्री जी को यह जानकारी है कि वहां मिडिल स्कूल, प्राइमरी स्कूल और हाई स्कूल्स में उर्दू के शिक्षक नहीं हैं। जब उर्दू के शिक्षक ही नहीं हैं, बच्चे उर्दू नहीं पढेगें, तो उर्दू को बढ़ावा देने के लिए कौन सी कार्रवाई होगी? माननीय मंत्री जी बताएं कि जब उर्दू नहीं पढ़ाएंगे तब उर्दू को बढावा देने के लिए कौन सी कार्रवाई करेंगे और कब तक करेंगे,यह भी बताएं?

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: सभापति जी,अभी तकरीबन,सवा लाख शिक्षकों की बहाली बिहार में होनी है,इसमें उर्दू शिक्षक भी बहाल होने हैं। जैसे ही टीचर्स की बहाली होगी,उनमें उर्दू के टीचर्स भी बहाल कर लिए जाएंगे।

श्री सभापति:बहाल से मतलब क्या सस्पेंड किए हुए हैं?

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: नहीं,सर नई रिक्रूटमेंट होनी हैं।

श्री सभापति: बहाल होने का मतलब तो कुछ और ही है।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: सभापति जी,न्यू रिक्रूटमेंट्स होनी हैं। इसमें तकरीबन सवा लाख टीचर्स बिहार में रिक्रूट होने हैं। इसमें उर्दू के टीचर्स भी बहाल होने हैं। जब ये रिक्रूटमेंट्स होंगी तब उर्दू टीचर्स भी बहाल कर दिए जाएंगे।

† Transliteration of Urdu Script.

† **श्री शाहिद सिद्दिकी**: सभापति जी,बिहार के मामले में तो यह ठीक है कि इनको मालूम नहीं है,लेकिन उर्दू में किताबें छापने की जिम्मेदारी एन.सी.ई.आर.टी. की है। इम्तिहान हो रहे हैं,लेकिन उर्दू में अभी तक पिछले साल की किताबें नहीं छपी हैं। इसका नतीजा यह है कि चाहे बिहार हो,दिल्ली,उत्तर प्रदेश या महाराष्ट्र हो,बच्चे सफर कर रहे हैं। उर्दू मीडियम के बच्चे पहले ही पिछड़े हुए हैं,पहले ही उर्दू स्कूलों का रिजल्ट तीस,तैंतीस परसेंट होता है ...(**व्यवधान**)...

شری شاہد صدیقی: سبھاپتی جی، بہار کے معاملے میں تو یہ ٹھیک ہے کہ ان کو معالوم نہیں ہے، لیکن اردو میں کتاییں چھاپنے کی ذمہ داری این-سی-ای-آر-ٹی-کی ہے۔ امتحان ہو رہے ہیں، لیکن اردو میں ابھی تک پچھلے سال کی کتاییں نہیں چھپی ہیں۔ اس کا نتیجہ یہ ہے کہ چا ہے بہار ہو، دہلی، اتر پردیش یا مہاراشٹر ہو، بچے سفر کر رہے ہیں۔ اردو میڈیم کے بچے پہلے ہی پچھڑے ہوئے ہیں، پہلے ہی اردو اسکولوں کا رزلٹ تیس، پنتیس فیصد ہوتا ہے۔...مداخلت...

श्री सभापति:आप क्वेश्चन कीजिए...(**व्यवधान**)...

†**श्री शाहिद सिद्दिकी**: किताबें क्यों नहीं छप रही हैं? उन पर काम क्यों नहीं हो रहा है, यह मैं इनसे जानना चाहता हूँ?

شری شاہد صدیقی: کتاییں نہیں چھپ رہی ہیں؟ اس پر کام کیوں نہیں ہو رہا ہے، یہ میں ان سے جاننا چاہتا ہوں؟...مداخلت...

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: सभापति जी,इस साल बड़े पैमाने पर एन.सी.ई.आर.टी. की किताबें छापने का काम किया गया है। मेरे पास पूरा विवरण है, अगर आप चाहें तो मैं इसे दे दूंगा। क्लास 1 के लिए सारी किताबें प्रिंट हो गई हैं ...(**व्यवधान**)... मैं इस साल की बात कर रहा हूँ ...(**व्यवधान**)... I am talking about this year, *i.e.,* 2005 की कर रहा हूँ। क्लास 1 के लिए सारी किताबें छप गईं क्लास-II के लिए तीन में से दो छप चुकी है,एक अंडर प्रिंट है, क्लास -IV के लिए चार में से तीन छप चुकी हैं,एक बची है, वह भी छप रही है। इस तरह से क्लास 10th और 11th के लिए 26 में से 4 किताबें छप चुकी हैं, 22 अंडर प्रिंट हैं। ...(**व्यवधान**)... क्या कह रहे हैं? किताबें ऑलरेडी प्रिंट हो गई हैं मैं उसके बारे में आपको विवरण दे रहा हूँ। अगर आपको चाहिए तो क्लास वन-टू से ...(**व्यवधान**)...

†**श्री शाहिद सिद्दिकी**:मैं यह जानना चाह रहा हूँ कि ये क्यों नहीं छपी हैं? 26 में से केवल 4 छपी हैं,बच्चों को बोर्ड का इम्तिहान देना है,26 में से 4 किताबों से वे क्या करेंगे? चार किताबों में भी वे कौन-सी किताबें हैं?

† Transliteration of Urdu Script.

شری شاہد صدیقی: یہ میں جاننا چاہ رہا ہوں کہ کیوں نہیں چھپی ہیں؟ 26میں سے صرف4 چھپی ہیں، بچوں کو بورڈ کا امتحان دینا ہے، 26 میں سے 4کتابوں سے یہ وہ کیا کریں گے؟ چار کتابوں میں بھی وہ کون سی کتابیں ہیں۔ ...مداخلت...

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: पहले किताबें ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप इनको बोलने दीजिए।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: आप सुनिए, इस साल हम लोगों ने बड़े पैमाने पर उर्दू में एन.सी.ई.आर.टी. की किताबें छापने के लिए इंतजाम किया है और बहुत जल्द सारी किताबें मार्केट के अन्दर एवेलेबल होंगे।

श्री सभापति:ठीक है। श्री राशिद अल्वी।

श्री राशिद अल्वी:सर,मंत्री जी ने जो जवाब दिया है,उसमें ज्यादातर जवाब इस तरीके के हैं कि राजभाषा के जरिए उर्दू डायरेक्टरेट कायम किया गया है,एडवाइजरी कमेटी बनाई गई है,लेकिन उर्दू के लोगों को इम्प्लायमेंट देने की सरकार की कोई स्कीम है या नहीं? दूसरी बात मैं पूछना चाहता हूँ कि सरकार ने जवाब में कहा है कि सरकार ने 360 उर्दू टीचर्स रखने के लिए 43 लाख रुपए दिए थे। क्या वे 360 उर्दू टीचर्स रखे गए या नहीं?

श्री सभापति:बोलिए।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: ये 360 उर्दू टीचर्स बिहार के लिए थे। जहां तक अपायंटमेंट का सवाल पैदा होता है,टाइपिस्ट का अपायंटमेंट बिहार के अन्दर हो चुका है। फील्ड आफिस के अन्दर जो ट्रांसलेटर्स हैं,उनकी भी वहां बहाली हो चुकी है, बिहार के अन्दर। जहां तक उर्दू टीचर्स का सवाल है ...(**व्यवधान**)...

श्री राशिद अल्वी: यह रिटन में है।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: जहां तक उर्दू टीचर्स का सवाल है,कुछ बहालियां,कुछ अपायंटमेंट्स हो गए हैं और अब जो सवा लाख टीचर्स अपायंट होने हैं, कुछ अपायंटमेंट उसके अन्दर हो जाएंगे।

श्री सभापति: श्री तरलोचन सिंह।

श्री तरलोचन सिंह: माननीय सभापति जी,मंत्री जी से मैं यह निवेदन करना चाहता हूँ कि माइनोरिटी के नाम पर स्लोगन बहुत ज्यादा है। जितनी बार भी माइनोरिटी की बात आती है,चाहे माइनोरिटी एजुकेशन का हो या माइनोरिटी रिलीफ का हो,सिवाय कमेटी या कमीशन बनाने के रिजल्ट कहीं नहीं आता। यह जो अभी इस क्वेश्चन का जवाब दिया गया है,जो किताब में लिखा है,वह पढ़ कर सुनाया गया है। इसमें एक भी ऎसा कोई जवाब नहीं, जिसमें कोई फैक्ट-फिगर दिया गया हो कि यह एचीवमेंट है। यही कहा गया है कि रिसाला छप रहा है,यह किया गया है। सर,

पोजीशन यह है कि इवेन दिल्ली मे उर्दू की टेक्स्ट बुक्स एवेलेबल नहीं है,उर्दू मीडियम स्कूल में टीचर्स एवेलेबल नहीं है। ऑल इंडिया बेस पर जहां भी माइनोरिटी लैंग्वेजेज के प्रोविजन हैं,हर जगह इसका रिजल्ट नहीं के बराबर है। मैं मंत्री जी से पूछूंगा कि क्या कोई काम करने की भी नीयत है कि सिर्फ नारा देकर,स्लोगन देकर माइनोरिटी को खुश करने की सरकार की पालिसी है।

श्री मोंहम्मद अली अशरफ फातमी: जैसा मैंने कहा कि जितनी भी टेक्स्ट बुक्स हैं,किताबें हैं,बहुत जल्द-से-जल्द मार्केट में एवेलेबल हो जाएंगी। जहां तक मुखतलिफ राज्यों के अन्दर उर्दू के सिलसिले से काम होना है,वह राज्य अपने हिसाब से करती है। जैसे सिर्फ कर्नाटक को लें, तो वहां पर 4 हजार उर्दू मीडियम स्कूल्स चलाए जाते हैं। इसी तरह से बिहार के अन्दर भी है। दिल्ली के अन्दर भी उर्दू मीडियम स्कूल्स हैं। अब उनकी दिल्ली के अन्दर कंडीशन क्या है,अगर वे चाहेंगे तो मैं विवरण ले कर इनको एवेलेबल करा दूंगा।

श्री सभापति:डा. फागुनी राम।

डा. फागुनी राम: महोदय,मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि सिलेबस बनने के समय सिलेबस बन जाता है कि इस सिलेबस में अमुक क्लास में अमुक किताब की पढ़ाई होगी। जब सिलेबस बन जाता है तो किताबों की छपाई मे देरी क्यों होती है? क्योंकि सिलेबस की पढ़ाई तो शुरु हो जाएगी, किताबें नहीं रहेंगी तो लड़के क्या पढ़ेंगे? फिर क्या कभी ऎसा सर्वे करा लिया गया है कि कितने स्कूलों में ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति:पूछने दीजिए, आप डिस्टर्ब क्यों कर रहे हैं? ...(**व्यवधान**)... वह ठीक है, आपको तो सारी चीजों की जानकारी है,लेकिन बाकी मैम्बर्स को डिस्टर्ब नहीं करें, यह नहीं होगा।

डा. फागुनी राम: क्या इन्होंने पूरे इंडिया में सर्वे करा लिया है कि कितने उर्दू शिक्षकों की आवश्यकता है,इन्क्लुडिंग बिहार और उनमें से कितने शिक्षक बहाल हैं? जहां तक शिक्षकों की और किताबों की आवश्यकता है,क्या इनकी कोई एक निश्चित अवधि है कि इस अवधि तक ये स्कूलों में शिक्षक भी पूरा कर देंगे और पढ़ने वाले विद्यार्थियों को किताबें भी उपलब्ध करा देंगे।

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): Sir, I would submit to the hon. Members that this is a question primarily related to Bihar. If information on all-India level is asked for, which the hon. Members have a right to, we will collect it and give it to the hon. Members and the House. But when this question relates to Bihar specifically, the question of the information being given for other States cannot arise.

श्री सभापति: वह तो सही है,लेकिन ...(**व्यवधान**)... एक मिनट आप बैठिए,बीच-बीच में खड़े मत होइए,बिहार की भी पूरी सूचना नहीं मिली। Next question. Shri Lalit Suri.